# Post-Event Report

| | |
|---|---|
| **Event** | हिंदी सप्ताह (वाद-विवाद प्रतियोगिता, वक्तव्य, बोलिए जनाब एक मिनट) |
| **Topic** | अंग्रेजी की रेखा को छोटा करके क्या हिंदी का महत्त्व बाध्य जा सकता है?, नई शिक्षा नीति और भाषा |
| **Organizer** | हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' |
| **Date** | 13 एवं 14 सितम्बर, 2022 |
| **Time** | 11:30 बजे प्रातः |
| **Duration** | 04:00 घंटे |
| **Place/Platform** | कॉलेज परिसर |
| **Number of Participants** | 56 |
| **Guest Speaker/Trainer** | प्रो. पूरनचंद टंडन |
| **Welcome Speech** | डॉ. रेनू दुग्गल |
| **Introduction to the Speaker** | डॉ. अमरजीत कौर |

**Activities**

नई दिल्ली, 13 एवं 14 सितम्बर, 2022, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' ने हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर हिंदी सप्ताह का आयोजन किया।

मंथन (हिंदी साहित्य सभा) द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में नहले पे दहला वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था – अंग्रेजी की रेखा को छोटा करके क्या हिंदी का महत्त्व बढ़ाया जा सकता है? प्रतियोगिता का शुभारंभ शबद गीत गायन से हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि, विभाग के सभी प्राध्यापक, कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं श्रोताओं ने इस गीत में भाग लिया। डा. अमरजीत कौर ने मंथन का परिचय देते हुए प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता में डॉ. शैलजा एवं डॉ. भूपिंदर कौर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। बोलिये जनाब एक मिनट प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. जी. के. अरोरा, वाणिज्य विभाग एवं डॉ. धर्मेंद्र कुमार, संस्कृत विभाग मौजूद रहें।

**Main Ideas**

13 एवं 14 सितम्बर को हिंदी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम किया गया। जिसमें वाद – विवाद प्रतियोगिता के साथ 'नई शिक्षा नीति एवं हिंदी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। वाद – विवाद का विषय 'अंग्रेजी की रेखा को छोटा करके क्या हिंदी का महत्त्व बढ़ाया जा सकता है?' रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत शब्द गीत गायन से हुआ। जिसके बाद प्रो. जी. एस. सूद ने हिंदी के महत्त्व को बताते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। विभाग की प्रभारी डा. रेनू दुग्गल ने बताया कि हर भाषा का अपना महत्त्व है। हम किसी भी भाषा को छोटी भाषा या बड़ी भाषा नहीं कह सकते हैं। यह जरूर है कि हिंदी भाषा के लिए हमें प्रत्यन करते रहना जरूरी है। द्वितीय सत्र में प्रो. पूरणचंद टंडन ने नई शिक्षा नीति में भाषा के महत्त्व को बताया। उन्होंने कहा भारत दुनिया भर में सबसे बड़ी शिक्षा

प्रणाली वाला देश है। लगभग 16 लाख विद्यालय, 50 से अधिक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय महत्त्व  की संस्थाएँ, आई. आई. टी. संस्थाएँ, एन. आई. टी. तथा अन्य अनेक शिक्षण - प्रशिक्षण संस्थान भारत की शिक्षा पद्धति और नीति की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं। इस देश ने शिक्षा को महत्त्व  तो दिया किंतु लगभग 34 वर्षों के पश्चात् समकालीन अपेक्षाओं आवश्यकताओं को देखते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का भी पुण्य प्रयास किया है । 5 + 3 + 3 + 4 का नया फार्मूला अर्थात् चार चरणों में विभक्त इस पूरी शिक्षा पद्धति की बुनियादी विकास यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया गया है । राष्ट्र की नई शिक्षा नीति में नई वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए उसका सामना और मुकाबला करने वाली शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्ट मोबाइल फोन, ट्वीटर, ब्लॉग राइटिंग, ई - लर्निंग सिस्टम से अभिज्ञता, ऑनलाइन शिक्षण प्रशिक्षण उपकरणों के अनुप्रयोग की तकनीक का बोध, सभी शिक्षकों का इस दृष्टि से प्रशिक्षण, अधुनातन एवं अद्यतन विश्व ज्ञान की सभी संभावनाओं को उद्घाटित करने के उपाय तो इस नई शिक्षा पद्धति के प्रेरक तत्व हैं ही, लर्निंग विदाउट बर्डन अर्थात् बिना किसी बोझ की अनुभूति के शिक्षा अर्जित करना, शिक्षा को मनोरंजक एवं अभिरुचिपरक बनाना भी इसके मानचित्र का हिस्सा रहा है।

तृतीय सत्र में 'बोलिए तो जनाब एक मिनट' में बच्चों को हिंदी के मुहावरों के माध्यम से अपनी बात रखी। इसके साथ प्रधानाचार्य प्रो. गुरमोहिंदर सिंह ने हिंदी भाषा  के महत्ता को बताया की हिंदी भाषा हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है और हमें इस बात को भूलना नही चाहिए। कार्यक्रम में विभाग के सभी शिक्षक मौजूद रहें। चाहे वह किसी भी प्रांत में हो । इसे के साथ उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते

| | |
|---|---|
| हुए प्रतियोगिता को आगे सुचारू रूप चलाने के लिए साधुवाद दिया। | |
| **Vote of thanks** | डॉ. रेनू दुग्गल एवं डॉ. अमरजीत कौर |
| **Attendance and Feedback link** | |

**Poster (Attach below)**

**Pictures (Attach Five Photos)**

गुरु नानक देव खालसा कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
'मंथन'
(हिंदी साहित्य सभा)
'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में प्रस्तुत करती है
बोलिये जनाब एक मिनट
प्रतियोगिता
भावना अवस्थी (अध्यक्ष): 7307589388
किरन (उपाध्यक्ष): 8368967207
सितंबर, 2022
डॉ. रेनू दुग्गल
(विभाग प्रभारी)
डॉ. शैलजा
महेन्द्र प्रताप सिंह
मंथन
REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA


REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA

PHOTOBUG

PHOTOBUG


PHOTOBUG

**Attach Photocopy of two Certificates**

**Signature:** 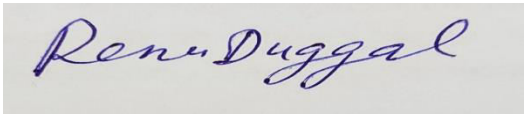

**Name:** डॉ. रेणु दुग्गल

**(Convenor)**